CAL - 03

December - Examination 2015

CAL Examination

अपभ्रंश व्याकरण (प्रारम्भिक) एवं रचना

Paper - CAL - 03

Time : 3 Hours] **[Max. Marks :- 100**

निर्देश : यह प्रश्न पत्र तीन खण्डों खण्ड अ, खण्ड ब, खण्ड स में विभाजित है।

(खण्ड – अ) 10 x 2 = 20

निर्देश : निम्नलिखित सभी प्रश्नों को करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर शब्द सीमा 30 होगी इस खण्ड का प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का होगा–

1) (i) कर्तृवाच्य की परिभाषा दीजिए।

(ii) परम आणंद की सन्धि करे एवं उनका नाम लिखे।

(iii) ''हम सब हसे'' वाक्य की अपभ्रंश रचना करें।

(iv) अपभ्रंश में कारक की संख्या क्या है नाम लिखे।

(v) सम्बन्धक भूतकृदन्त के प्रत्यय लिखिए।

(vi) अपभ्रंश मे वचन कितने होते है नाम सहित लिखे।

(vii) हरिसउं मे कौनसी क्रिया, पुरुष एवं वचन है।

(viii) तुम्हें क्या है विभक्ति एवं वचन बताये।

(ix) तेण हसिऊ मे कौनसा वाच्य है।

(x) सर्वनाम मे लिंग, विभक्ति एवं वचन बताइये।

(खण्ड – ब) 4 x 10 = 40

निर्देश : निम्न प्रश्नों में से चार प्रश्न करने है। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का है प्रत्येक उत्तर की अधिकतम सीमा 200 शब्द होगी।

2) क्रिया का अर्थ और उसके भेद उदाहरण सहित समझाईये।

3) संज्ञा का सामान्य परिचय दीजिए।

4) त (पुल्लिंग) के शब्द रुप लिखिये–

5) हस धातु के भविष्यतकाल के तीनों पुरुष एवं दोनों वचन सहित लिखिये।

6) लोप सन्धि की परिभाषा विभिन्न उदाहरण देकर समझाइये।

7) वर्तमान कृदन्त को स्पष्ट करते हुए उनके प्रत्यय लिखिए।

8) प्रेरणार्थक प्रत्यय किसे कहते है उदाहरण देकर स्पष्ट करें।

9) सर्वनाम के भेद उदाहरण सहित लिखिए।

(खण्ड – स) 2 x 20 = 40

निर्देश : निम्नखण्ड में किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए।

10) सर्वनाम किसे कहते है उनके विविध रुपों का वर्णन करें।

11) वाच्य क्या है और उनके भेदों की व्याख्या करें।

12) सकर्मक क्रियाओं से बने भूतकालिक कृदन्त का प्रयोग करे।

13) कृदन्त का महत्त्व बताते हुए उनके भेदों की व्याख्या कीजिए।